टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified JUL 2023-JUL 2026 INDIA

जांगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

सितंबर, 2025

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका गंगावतरणम् के सितम्बर 2025 अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है।

यह माह हमारे संगठन के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों, सामाजिक प्रतिबद्धता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक रहा। इस अवधि में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने ऊर्जा उत्पादन, स्वच्छता और राजभाषा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कीं, जो संगठन की व्यापक दृष्टि और निरंतर प्रगति को दर्शाती हैं।

सितम्बर माह की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रही खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना की द्वितीय इकाई (660 मेगावाट) का वाणिज्यिक संचालन प्रारंभ होना, जिसे माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री द्वारा विधिवत रूप से संपन्न किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर ने टीएचडीसीआईएल के थर्मल ऊर्जा क्षेत्र में योगदान को नई दिशा प्रदान की। अब परियोजना की दोनों इकाइयाँ (2×660 मेगावाट) पूर्णतः परिचालन में हैं, जिससे कुल स्थापित क्षमता 1320 मेगावाट हो गई है। यह उपलब्धि संगठन की तकनीकी दक्षता, समर्पण और ऊर्जा सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है।

इसी माह, टीएचडीसीआईएल ने राष्ट्रव्यापी ''स्वच्छता ही सेवा अभियान–2025'' में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अभियान के अंतर्गत संगठन के सभी परियोजना स्थलों, कार्यालयों और कॉलोनियों में स्वच्छता, वृक्षारोपण और जनजागरूकता के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सितम्बर माह का एक और गौरवपूर्ण आयोजन रहा हिंदी माह 2025 का सफल आयोजन। पूरे माह चली विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों ने हिंदी के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को व्यक्त किया। इस आयोजन ने यह स्पष्ट किया कि टीएचडीसी परिवार अपनी सांस्कृतिक और भाषाई धरोहर के प्रति समान रूप से समर्पित है। इसके साथ ही मुझे यह भी साझा करते हुए हर्ष हो रहा है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति हरिद्वार की अध्यक्षता एवं सचिवालय के दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने हेतु टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस एवं 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन (गांधीनगर, 15 सितंबर 2025) में 'प्रशंसनीय श्रेणी' में सम्मानित किया गया।

इन सभी घटनाओं और उपलब्धियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड केवल ऊर्जा का उत्पादक नहीं, बल्कि स्वच्छता, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणास्रोत भी है। संगठन का प्रत्येक कदम "विश्वसनीयता, पारदर्शिता और राष्ट्र-सेवा" के मूल्यों से प्रेरित है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि गंगावतरणम् का यह अंक आपको संगठन की प्रगति, प्रेरक पहलों और उपलब्धियों से परिचित कराएगा और आपको उसी गर्व और प्रेरणा से भर देगा जो टीएचडीसी परिवार प्रतिदिन अनुभव करता है।

हमारा संपादक मंडल निरंतर प्रयासरत है कि यह पत्रिका न केवल जानकारी दे, बल्कि प्रेरणा और उत्साह भी जगाए।

"कार्य ही पूजा है- स्वच्छता और समर्पण से ही
विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।"

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की हिंदी दिवस के अवसर पर अपील

प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड परिवार के सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं !

हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली और प्रभावी माध्यम है। हिंदी ने पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोकर अनेकता में एकता की धारणा को बल दिया है। यह हमारे देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की संपर्क भाषा के रूप में महति भूमिका को देखते हुए 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की राजभाषा होगी। इसी महत्वपूर्ण निर्णय को प्रतिपादित करने तथा हिंदी का प्रत्येक क्षेत्र में प्रसार करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर सन् 1953 से संपूर्ण भारत में 14 सितंबर को प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी भाषा अपनी लिपि और उच्चारण की दृष्टि से सबसे शुद्ध और विज्ञान सम्मत भाषा है। हर प्रांत के लोग हिंदी समझते हैं इसलिए हिंदी हमें भावनात्मक एकता से जोड़ती है । हिंदी के विकास में ही देश की उन्नति एवं विकास निहित है।

निगम में अपने व्यावसायिक उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को पूरा करने के साथ-साथ राजभाषा कार्यान्वयन में भी आशातीत वृद्धि हो रही है। माननीय संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति के द्वारा 07 मई, 2025 को नराकास, बुलंदशहर के अंतर्गत आने वाले 05 अन्य कार्यालयों के साथ टीएचडीसी के खुर्जा एसटीपीपी कार्यालय का संयुक्त राजभाषा निरीक्षण किया गया। उप समिति के माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यगणों ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित क्रियाकलापों के साथ-साथ निगम की व्यावसायिक गतिविधियों में हो रही बढ़ोत्तरी की भी प्रशंसा की है। साथ ही उल्लेखनीय है कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय की राजभाषा पुरस्कार योजना के अंतर्गत 19 जून, 2025 को हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में माननीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्यमंत्री, श्री मनोहर लाल जी के कर-कमलों से वर्ष 2023-24 में राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु “राजभाषा ज्योति’’ पुरस्कार (प्रथम) प्राप्त हुआ है।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार पूरे देश में हिंदी के उत्तरोत्तर विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा इस अभियान में राजभाषा विभाग ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को भी शामिल करते हुए निगम के कारपोरेट कार्यालय एवं टिहरी यूनिट कार्यालय को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के संचालन का उत्तरदायित्व सौंपा हुआ है। इन दायित्वों का निर्वहन निगम के द्वारा विगत लगभग 08 वर्षों से बखूबी किया जा रहा है। मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि नराकास, हरिद्वार की उल्लेखनीय गतिविधियों को देखते हुए राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए नराकास प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत इस समिति को प्रशंसनीय श्रेणी में पुरस्कृत किया गया, यह पुरस्कार 14-15 सितंबर, 2025 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित किए गए हिंदी दिवस एवं 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया है। यह निगम के लिए गौरव की बात है और इस सफलता के पीछे प्रत्येक कर्मचारी की निगम के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

हिंदी दिवस के शुभअवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम सब राष्ट्र हित में उत्साह एवं गर्व के साथ अपना अधिकाधिक सरकारी कामकाज मूल रूप से हिंदी में करते हुए गंगा की अविरलता की भांति इसे प्रवाहमान बनाए रखेंगे। इन्हीं आंकाक्षाओं एवं अपेक्षाओं के साथ एक बार पुन: आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद!

(**आर. के. विश्नोई**)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

माननीय केंद्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री ने खुर्जा एसटीपीपी की दूसरी इकाई की सीओडी पर की टीएचडीसी की सराहना

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 22 सितंबर, 2025 को खुर्जा, उत्तर प्रदेश में खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (2x660 मेगावाट) की दूसरी इकाई (660 मेगावाट) का वाणिज्यिक प्रचालन सफलतापूर्वक शुरू कर दिया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारत सरकार के माननीय केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल उपस्थित थे, जिन्होंने वर्चुअल माध्यम से दूसरी इकाई के प्रचालन का आधिकारिक उद्घाटन किया। श्री ए. के. शर्मा, माननीय ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री नरेंद्र भूषण (आईएएस), अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत, उत्तर प्रदेश सरकार तथा अन्य अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विद्युत क्षेत्र के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जो विद्युत मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए, जिनमें श्री घनश्याम प्रसाद, अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, श्री श्रीकांत नागुलापल्ली (आईएएस), अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार; श्री पीयूष सिंह (आईएएस), अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार; श्री आर. के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल शामिल थे। खुर्जा परियोजना नियंत्रण कक्ष से, इस कार्यक्रम में टीएचडीसीआईएल के निदेशक (वित्त), श्री सिपन कुमार गर्ग और टीएचडीसीआईएल के कार्यपालक निदेशक (परियोजना) श्री कुमार शरद के साथ-साथ टीएचडीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी और परियोजना संघ के प्रतिनिधि, जिसमें एनटीपीसी, बीएचईएल, स्टीग, राइट्स, जीई वर्नोवा, एल एंड टी, एमर्सन और विद्युत क्षेत्र के अन्य प्रमुख हितधारक उपस्थित रहे।

श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को प्राप्त करने पर टीएचडीसीआईएल और खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना से जुड़े सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने विद्युत क्षेत्र के विकास को गति देने, ग्रिड स्थिरता को सुदृढ़ करने और उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्र की ऊर्जा आकांक्षाओं को पूरा करने में केएसटीपीपी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। माननीय मंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि पारंपरिक रूप से एक जलविद्युत कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त टीएचडीसीआईएल ने इस तापीय परियोजना को रिकॉर्ड समय में पूरा करके एक नया मानदंड स्थापित किया है, जो पूरे उद्योग जगत के लिए एक प्रेरणा है।

उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री, माननीय श्री ए. के. शर्मा ने सीओडी की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि केएसटीपीपी की दूसरी इकाई भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को विश्वसनीय और किफायती विद्युत से पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आगे ज़ोर देकर कहा कि यह परियोजना राज्य और क्षेत्र के विद्युत आपूर्ति परिदृश्य को काफ़ी मज़बूत करेगी।

सीईए के अध्यक्ष, श्री घनश्याम प्रसाद ने इस उपलब्धि पर टीएचडीसीआईएल को बधाई दी और कहा कि केएसटीपीपी न केवल उत्तर प्रदेश और उत्तरी भारत में विद्युत आपूर्ति को बढ़ाएगा, बल्कि आधुनिक, कुशल और सतत विद्युत अवसंरचना विकसित करने के लिए देश की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करेगा।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आर.के.विश्नोई ने इस अवसर पर विशिष्ट उपस्थिति के लिए माननीय केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा की उपस्थिति के लिए भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्युत मंत्रालय और एनटीपीसी के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग की सराहना की, जिनके निरंतर प्रोत्साहन ने खुर्जा एसटीपी परियोजना (2x 600 मेगावाट) के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

14 विशेष पैकेजों के माध्यम से निर्मित 1320 मेगावाट के इस संयंत्र ने अपनी पहली इकाई की सीओडी 26.01.2025 को और दूसरी इकाई की सीओडी 22.09.2025 को प्राप्त की, जिससे कोविड-19 और अन्य चुनौतियों के बावजूद इसे सुचारू रूप से पूरा किया गया। अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल तकनीक, उच्च दक्षता वाले पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों और अमेलिया खदान से प्राप्त कैप्टिव कोल लिंकेज से सुसज्जित, इस परियोजना को सालाना 9,264 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन के लिए परिकल्पित किया गया है, जो भारत की विद्युत क्षमता और विश्वसनीयता में प्रभावी योगदान देगा।

टीएचडीसी को 'स्वच्छता पखवाड़ा 2025' के दौरान उत्कृष्ट पहल के लिए सम्मानित किया गया

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को 16 से 31 मई 2025 तक मनाए गए 'स्वच्छता पखवाड़ा-2025' के दौरान उसकी अनुकरणीय पहल और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। विद्युत मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में, भारत सरकार के सचिव (विद्युत), श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस) ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई को यह सम्मान प्रदान किया। यह कार्यक्रम विद्युत मंत्रालय द्वारा जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

यह सम्मान टीएचडीसी द्वारा अपनी सभी परियोजनाओं और इकाइयों में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के दौरान किए गए उत्कृष्ट प्रयासों और प्रभावशाली पहलों को उजागर करता है। इस कार्यक्रम के दौरान विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव श्री पीयूष सिंह (आईएएस), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव डॉ. डी साई बाबा, श्री बलवंत सिंह, प्रबंधक (सीएमडी, सचिवालय), टीएचडीसीआईएल के साथ-साथ विद्युत मंत्रालय और टीएचडीसीआईएल के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के दौरान टीएचडीसीआईएल ने अपनी परियोजनाओं और इकाइयों में स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई नवीन और प्रभावशाली गतिविधियां शुरू की। संगठन ने टाउनशिप, परियोजना स्थलों और आस-पास के गाँवों में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाए, साथ ही प्लास्टिक-मुक्ति अभियान और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए। स्कूलों और स्थानीय समुदायों को नुक्कड़ नाटकों, चित्रकला प्रतियोगिताओं और स्वच्छता शपथ ग्रहण समारोहों के माध्यम से सक्रिय रूप से शामिल किया गया, जिससे जन भागीदारी और जागरूकता को बढ़ावा मिला। वृक्षारोपण अभियान ने हरियाली को और बढ़ावा दिया, जबकि रचनात्मक पहल "कचरे से खजाना" ने पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग पर जोर दिया, जिससे कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदला जा सके। इन प्रयासों को व्यापक सोशल मीडिया अभियानों द्वारा संपूरित किया गया, जिससे व्यापक पहुँच और दृश्यता सुनिश्चित हुई। सभी गतिविधियों को स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यवस्थित रूप से रिपोर्ट किया गया, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई।

टीएचडीसीआईएल ने स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत स्वच्छता शपथ ली

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किए गये राष्ट्रव्यापी "स्वच्छता ही सेवा" अभियान-2025 में सक्रिय रूप से प्रतिभाग की । इस वर्ष के अभियान, जिसकी विषय-वस्तु "स्वच्छोत्सव" है, का उद्देश्य स्वच्छ और हरित उत्सवों और शून्य-अपशिष्ट सामुदायिक समारोहों को बढ़ावा देना है।

टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने अभियान के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा कि "स्वच्छता ही सेवा" पखवाड़ा 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है।

श्री विश्नोई ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह अभियान हम सबको स्वच्छ भारत के लिए स्वैच्छिकता और सामूहिक कार्रवाई को सुदृढ़ बनाने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही पर्यावरण अनुकूल और शून्य अपशिष्ट सामुदायिक समारोहों के लिए नए मानक भी स्थापित करता है। श्री विश्नोई ने इस बात पर भी जोर दिया कि टीएचडीसीआईएल अपनी परियोजनाओं और कार्यालयों के माध्यम से स्वच्छ एवं हरित भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप स्वच्छता अभियान, जागरूकता अभियान और नागरिक भागीदारी के लिए कर्मचारियों और हितधारकों को सक्रिय रूप से संगठित करना जारी रखेगा।

श्री सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त) ने ऋषिकेश स्थित कारपोरेट कार्यालय में कार्मिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। श्री गर्ग ने स्वच्छता बनाए रखने में व्यक्तिगत जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया और सभी से अपने आसपास के लोगों को एक स्वच्छ और समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित और प्रेरित करने का आग्रह किया। श्री गर्ग ने कर्मचारियों से 25 सितंबर 2025 को मनाए जाने वाले राष्ट्रव्यापी 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान के हिस्से के रूप में एक घंटे की स्वैच्छिक स्वच्छता सेवा समर्पित करने का भी अनुरोध किया। टीएचडीसीआईएल की सभी परियोजनाओं एवं कार्यालयों में भी एक साथ स्वच्छता शपथ समारोह आयोजित किए गए।

कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-प्रशासन, कारपोरेट संचार), श्री ए. के. गोएल, मुख्य महाप्रबंधक (एमपीएस एवं कारपोरेट नियोजन), श्री ए. के. गर्ग, महाप्रबंधक (वित्त), श्री एम. के. राय. महाप्रबंधक (प्रापण), श्री हर्ष कुमार जिंदल, महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री आर. के. वर्मा, महाप्रबंधक (वाणिज्यिक) तथा टीएचडीसीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

THDC Showcases Record Growth and Future Vision at 37th Annual General Meeting

THDC India Limited celebrated a year of remarkable achievements and unveiled its ambitious future plans at the 37th Annual General Meeting ("AGM") held on 27th September, 2025 at New Delhi. The Company presented its 37th Annual Report for the financial year 2024-25, which highlighted a phase of outstanding success, sustained growth, and strategic advancements across multiple facets of its operations.

Addressing the shareholders, Shri R.K. Vishnoi, Chairman and Managing Director of THDCIL, shared that during the year under review, the Company demonstrated exceptional performance in energy generation. A cumulative generation of 6077 MU was achieved from all operational plants, reflecting a significant leap over the previous year's performance and reaffirming the Company's commitment to ensuring reliable and sustainable energy supply for the nation.

The financial year 2024-25 was a landmark year as THDCIL successfully commissioned the first unit of the Khurja Super Thermal Power Project on 26th January 2025, contributing 660 MW capacity and raising the Company's total installed capacity to 2247 MW. Further strengthening its fuel security, the Amelia Coal Mine attained COD on 18th February 2025, enabling dedicated coal availability for Khurja STPP. Notably, the Company surpassed its capital expenditure targets with an achievement of ₹5368.92 crore, representing 147.46% of the planned target, while also registering a substantial increase of 36% in gross sales and 23% growth in profit over the previous year. In regard to distribution of dividend, THDCIL declared final dividend of Rs.441.97 Cr. in its 37th AGM for the F.Y. 2024-25.

In addition to operational successes, THDCIL has initiated work on the 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project in Arunachal Pradesh, marking its determined efforts towards expanding its clean energy portfolio. Speaking of the ongoing projects, Shri Vishnoi informed that Unit-1 and Unit-2 of the 1000 MW Tehri Pumped Storage Plant commenced operations in June and July 2025, while the remaining two units are expected to be commissioned in FY 2025-26. The 2nd Unit of Khurja STPP (660 MW) has also commissioned on 26th September, 2025. Meanwhile, works on the Vishnugad Pipalkoti HEP are advancing rapidly, with completion expected in FY 2026-27. THDCIL is steadfastly advancing India's renewable energy ambitions through hydro and pumped storage projects, supported by landmark MoUs in Maharashtra and Chhattisgarh, along with initiatives in Arunachal Pradesh. The Company is also exploring opportunities in hybrid and floating solar, green hydrogen, and EV charging infrastructure, reinforcing its commitment to a cleaner and sustainable future.

Investor confidence in THDCIL remains strong. During the financial year 2024-25, Company had issued Corporate Bonds Series-X of Rs. 750.00 Crore with coupon interest rate of 7.76%, Corporate Bonds Series-XI of Rs. 600.00 Crore with coupon interest rate of 7.72% and Corporate Bonds Series-XII of Rs. 700.00 Crore with coupon interest rate of 7.73% Our corporate philosophy places a strong emphasis on environmental, social, and governance practices, actively contributing to the development of a sustainable and empowered society through impactful CSR initiatives.

CMD extended heartfelt gratitude to all our stakeholders, business partners, government agencies, and dedicated team of THDCIL for their invaluable support in making THDCIL a pioneering force in the power sector.

टीएचडीसी ने 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' के तहत राष्ट्रव्यापी पहलें शुरू कर स्वच्छ और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया

सतत और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने राष्ट्रव्यापी “स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025” के तहत विभिन्न पहल शुरू की हैं। श्री आर. के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वच्छता और सततता निगम के आदर्शों के अभिन्न स्तंभ हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि टीएचडीसीआईएल, एक एकीकृत विद्युत उत्पादन इकाई होने के अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इसका विकास समावेशी बना रहे और स्वच्छ भारत अभियान जैसे राष्ट्रीय मिशनों के अनुरूप हो। निदेशक (वित्त), श्री सिपन कुमार गर्ग ने इससे पूर्व, 17 सितंबर 2025 को, कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में स्वच्छता शपथ दिलाई थी और कर्मचारियों से 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत स्वच्छता के लिए एक घंटे की स्वैच्छिक सेवा समर्पित करने का आग्रह किया था। इसी के अंतर्गत, टीएचडीसीआईएल के सभी कर्मचारियों ने आयोजित श्रमदान में सक्रिय रूप से भाग लिया, साथ ही स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के तहत कई अन्य पहलों में भी भाग लिया।

राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के एक भाग के रूप में, “एक दिन, एक घंटा, एक साथ” पहल का आयोजन एनसीआर कार्यालय परिसर, कौशाम्बी में श्रीमती रश्मिता झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी (आईआरएस), टीएचडीसीआईएल की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस पहल में एनसीआर कार्यालय के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम ने एकता की भावना को बढ़ावा दिया और स्वच्छता को एक साझा ज़िम्मेदारी के रूप में स्थापित किया। इस अवसर पर श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (प्रभारी, एनसीआर), श्री एस.के.आर्य, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी और टीएचडीसीआईएल के एनसीआर कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसी अभियान के तहत, ऋषिकेश में, टीएचडीसीआईएल ने 24 सितंबर 2025 को नए बस स्टैंड के आसपास स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ऋषिकेश के माननीय महापौर श्री शंभू पासवान भी उपस्थित थे, जिन्होंने स्वच्छता को बढ़ावा देने और सतत विकास में योगदान देने के लिए टीएचडीसीआईएल के सक्रिय प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक(मानव संसाधन), डॉ. अमरनाथ त्रिपाठी, महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री हर्ष कुमार जिंदल, श्री ए. के. कंसल, महाप्रबंधक (सर्विसेज), श्री आर. के. वर्मा, महाप्रबंधक (वाणिज्यिक) तथा कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। चिन्हित स्थान को टीएचडीसीआईएल द्वारा औपचारिक रूप से स्वच्छता लक्ष्य इकाई (सीटीयू) के रूप में अपनाया गया है, जिसका रखरखाव निगम द्वारा नियमित आधार पर किया जाएगा ताकि ऋषिकेश के नागरिकों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, टीएचडीसीआईएल ने स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के तहत अपनी परियोजनाओं एवं कार्यालयों में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें खुर्जा में स्कूली छात्रों द्वारा प्रभात फेरी, टिहरी में पोस्टर मेकिंग और बेस्ट फ्रॉम वेस्ट प्रदर्शनी, वीपीएचईपी कार्यालय में स्वच्छता अभियान और वीपीएचईपी डिस्पेंसरी द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर शामिल हैं। ये पहल सामुदायिक सहभागिता, छात्र जागरूकता एवं सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने के प्रति टीएचडीसीआईएल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

Unit-2 of Khurja Super Thermal Power Project Achieves Full Load Operation

Marking a major milestone towards its commissioning, Unit-2 of the (2×660 MW) Khurja Super Thermal Power Project successfully achieved full load operation on 18th September, 2025. With Unit-1 already in commercial operation since 26th January 2025, this achievement brings the project closer to full capacity realization.

Sh. R. K. Vishnoi, CMD congratulated KSTPP team for this remarkable achievement and highlighted that with Unit #2 now operating at full load, KSTPP has demonstrated not only its technical prowess but also the dedication and coordinated efforts of its engineers, workforce, contractors, and all stakeholders associated with the project. Sh. Sipan Kumar Garg, Director (Finance) congratulated Team KSTPP and said that the successful full load operation of Unit-2 marks an important milestone for THDCIL. Sh. Kumar Sharad, ED (Project) congratulated the team and said that this milestone reflects their relentless hard work and professional expertise, ensuring timely achievement despite challenges. The key officials present on the occasion included Sh. Kumar Sharad, ED (Project); Sh. B.K. Sahoo, GM (O&M); Sh. R.M. Dubey, GM (Electrical); Sh. Sandeep Bhatnagar, GM (Finance); Sh. Shailesh Dhyani, OSD (Mechanical); and other senior officials from THDCIL, NTPC Consultancy, BHEL, LMB, STEAG, and GE.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर.के. विश्नोई द्वारा किया गया न्यू टिहरी प्रेस क्लब रजत जयंती द्वार का लोकार्पण

श्री आर. के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, द्वारा टीएचडीसी के सहयोग से निर्मित न्यू टिहरी प्रेस क्लब रजत जयंती द्वार, टिहरी, उत्तराखंड का लोकार्पण किया गया। वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण करते हुए इस अवसर पर श्री विश्नोई ने कहा कि टिहरी क्षेत्र के विकास में टीएचडीसी की भूमिका केवल परियोजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जन-कल्याण और सामाजिक सरोकारों तक विस्तृत है। टीएचडीसी सदैव जिले की आवश्यकताओं के अनुरूप सहयोग करती रही है और भविष्य में भी करती रहेगी। उन्होंने प्रेस क्लब की इस उपलब्धि पर सभी पत्रकारों को शुभकामनाएं दी।

साथ ही जिलाधिकारी टिहरी, श्रीमती नितिका खंडेलवाल (आईएएस), पालिकाध्यक्ष श्री मोहन सिंह रावत एवं टीएचडीसी के कार्यपालक निदेशक (टीसी), श्री एल.पी. जोशी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री एल.पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टीसी) ने कहा कि न्यू टिहरी प्रेस क्लब का यह द्वार केवल एक संरचना नहीं है, बल्कि यह विकसित भारत 2047 की दिशा में हमारे साझा प्रयासों का प्रतीक है। यह सहयोग विकास, संवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों की मज़बूती की ओर एक कदम है।

THDC Achieves Major Milestone with Successful Synchronization of 3rd Unit of India's First Variable Speed PSP at Tehri

THDC India Limited successfully synchronized the 3rd Unit (250 MW) of India's first Variable Speed Pumped Storage Plant (PSP), the (4X250 MW) Tehri PSP, with the national grid on 13th September 2025. Conducted at 15:22 hrs, the synchronization process confirmed all unit parameters to be satisfactory. This accomplishment not only reflects THDCIL's engineering excellence but also marks a significant stride towards enhancing Renewable Energy integration, ensuring Grid Stability, and strengthening the Nation's clean energy infrastructure.

Sh. R.K. Vishnoi, Chairman & Managing Director, conveyed heartfelt congratulations to Team PSP for their commendable dedication and emphasized that this milestone marks a pivotal step towards the commissioning of remaining two units of the country's first Variable Speed Pumped Storage Plant (PSP) (4x250 MW). Once fully operational, the Tehri Hydro Power Complex, India's largest hydropower complex, will attain an installed capacity of 2,400 MW, comprising of already operational 1,000 MW Tehri HPP, 400 MW Koteshwar HEP and 1,000 MW from the country's first Variable Speed Pumped Storage Plant, which is now in the final stages of commissioning. Sh. Sipan Kumar Garg, Director (Finance), commended Team Tehri PSP for their dedication and commitment, noting that the successful synchronization of the 3rd unit reinforces THDCIL's expertise in executing advanced hydropower projects, including pumped storage systems. This achievement strengthens grid stability, enhances operational flexibility, and underscores the company's contribution to advancing a sustainable and resilient energy framework. Sh. L.P. Joshi, Executive Director (Tehri Complex), lauded the commitment of the PSP team, consortium partners (M/s GEPIL and M/s HCC), and other stakeholders. He highlighted the collaborative spirit that enabled this success and affirmed that focus will now shift to achieving the unit's commercial operation at the earliest. The event was graced by senior officials from THDCIL, M/s GE Vernova Hydro, and M/s HCC, whose collective contributions made this milestone possible.

खुर्जा कार्यालय में हिंदी कार्यशाला सम्पन्न

केएसटीपीपी-खुर्जा कार्यालय में 25.09.2025 को हिंदी कार्यशाला सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई । श्री संजीव नौटियाल, प्रबंधक, मानव संसाधन ने आमंत्रित मुख्य वक्ता श्री प्रेम सिंह,पूर्व संयुक्त निदेशक (राजभाषा विभाग) को प्लांट भेंट कर सम्मानित किया । कार्यशाला को दो सत्रों में संचालित किया गया । प्रथम सत्र में हिंदी में काम करने की प्रेरणा तथा द्वितीय सत्र में राजभाषा नीति की सम्पूर्ण जानकारी दी गई । उक्त कार्यशाला में रुचि लेते हुए 25 अधिकारियों/ कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया और राजभाषा नीति विषयक की महत्वपूर्ण जानकारियों से स्वयं को लाभान्वित किया ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार को भारत सरकार द्वारा प्रशंसनीय श्रेणी में किया गया सम्मानित

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार को भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा गांधी नगर, गुजरात में 14-15 सितंबर, 2025 को आयोजित हुए हिंदी दिवस एवं 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में 15 सितंबर, 2025 को प्रशंसनीय श्रेणी में सम्मानित किया गया।

श्री आर.के.विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के सभी सदस्य संस्थानों को बधाई संप्रेषित करते हुए कहा कि नराकास हरिद्वार को यह सम्मान प्राप्त होना गौरव की बात है। उन्होंने इस पुरस्कार की पहल करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को धन्यवाद संप्रेषित करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से नराकासों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और वे राजभाषा हिंदी के प्रति और अधिक उत्साह एवं लगन से रूचि लेंगे, जिससे संस्थानों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा।

यह सम्मान श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव, आईएएस, राजभाषा विभाग के कर-कमलों से समिति के अध्यक्ष, डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड एवं समिति के सचिव, श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक(राजभाषा) ने प्राप्त किया। इस अवसर पर मंच पर डॉ मीनाक्षी जौली, संयुक्त सचिव (राजभाषा), डॉ अम्लान त्रिपाठी, मुख्य आयकर आयुक्त, मुंबई, श्री संतोष कुमार झा, सीएमडी, कोंकण रेलवे कारपोरेशन लि., डॉ देबदत्त चांद, प्रबंध निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा, श्री अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रबंध निदेशक, आईओबी एवं श्री के.पी.शर्मा, संयुक्त निदेशक, राजभाषा विभाग उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, अध्यक्ष नराकास ने सभी संस्थानों से अपील करते हुए कहा कि वे नराकास की बैठकों एवं कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर प्रतिभागिता करें तथा नराकास हरिद्वार की प्रगति को शीर्ष तक ले जाने में अपना सहयोग देना जारी रखें। उन्होंने कहा कि यह सम्मान नराकास के सदस्य संस्थानों की निरंतर कर्तव्यनिष्ठा तथा समर्पण का ही प्रमाण है। नराकास हरिद्वार देश की सबसे बड़ी नराकासों में से एक है जिसके सदस्य संस्थानों की संख्या 69 है। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश को इसके संचालन का दायित्व सौंपा हुआ है। जिसका निर्वहन टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड पिछले 08 वर्षों से सफलतापूर्वक कर रही है।

THDC Promotes Integrity and Accountability through Vigilance Awareness Campaign 2025

THDC India Limited has been proactively conducting a series of activities under the Vigilance Awareness Campaign 2025 across its projects, offices, and nearby educational institutions. In alignment with this year's national theme, "Vigilance: Our Shared Responsibility," THDCIL has undertaken an extensive outreach drive to promote integrity, transparency, and accountability among employees, stakeholders, and the younger generation.

Sh. R. K. Vishnoi, CMD THDC India Limited, highlighting the significance of vigilance in strengthening THDCIL's commitment to sustainable development, stated that Integrity forms the foundation of THDCIL's Growth journey guided by transparency and accountability. At THDCIL, Vigilance is not just a compliance requirement but a collective responsibility that strengthens transparency and accountability across the organization and society. As part of these ongoing initiatives, an awareness lecture was organized 12th September, 2025 at Saraswati Shishu Mandir, Adarsh Nagar, Rishikesh. On this occasion, Sh. Satish Kumar Arya, Deputy Chief Vigilance Officer, THDCIL, interacted with the students and faculty members, sensitizing them on the significance of honesty, discipline, and ethical conduct in everyday life. He underscored that the youth, as the future custodians of the nation, have a pivotal role to play in upholding integrity and fostering a culture of transparency. Sh. G. S. Chauhan, Deputy General Manager (Vigilance), was also present on the occasion.

The program received an enthusiastic response, with students actively engaging in discussions and pledging to adopt integrity as a guiding principle in their personal and professional lives. Through such outreach programs, THDCIL reaffirms its unwavering commitment to building an ecosystem of integrity not only within the organization but also across society.

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में हिंदी माह समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

श्री आर.के.विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में हिंदी माह समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर हिंदी माह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत पुरस्कृत किए गए सभी विजेता कर्मचारियों को बधाई दी तथा उनसे अपना अधिकाधिक सरकारी काम-काज हिंदी में करने का अनुरोध किया। इससे पूर्व श्री विश्नोई ने 14 सितंबर, 2025 को हिंदी दिवस के अवसर पर अपील जारी कर सभी कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया। उन्होंने इसी दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा नराकास हरिद्वार को प्रशंसनीय श्रेणी में पुरस्कृत करने पर नराकास हरिद्वार के परिक्षेत्र में आने वाले सभी संस्थानों के प्रमुखों एवं राजभाषा का कार्य देख रहे कर्मचारियों को भी अपनी हार्दिक बधाई संप्रेषित की।

टीएचडीसी में सितंबर, 2025 हिंदी माह के रूप में मनाया गया। जिसका समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 29 सितंबर, 2025 को टीएचडीसी के रसमंजरी हॉल में किया गया। इस अवसर पर श्री एस.एस.पंवार, मुख्य महाप्रबंधक (ओएमएस, आईटी), श्री आर.आर.सेमवाल, मुख्य महाप्रबंधक (परि.-विद्युत), डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रमुख अतिथियों ने अपने कर-कमलों से हिंदी माह के दौरान आयोजित की गई प्रतियोगिताओं एवं निगम में लागू विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृत किया।

समारोह में श्री एस.एस.पंवार, मुख्य महाप्रबंधक (ओएमएस, आईटी) ने अपने संबोधन में कहा कि यह गौरव का विषय है कि निगम अपने मूल उद्देश्यों के साथ-साथ अपने सभी संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन सफलतापूर्वक कर रहा है। राजभाषा के क्षेत्र में भी नित्य नई उपलब्धियां अर्जित हो रही हैं। निगम में राजभाषा में कार्य में उत्तरोत्तर बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके लिए सभी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने हिंदी दिवस के अवसर पर जारी की गई अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अपील सभी कर्मचारियों को पढ़कर सुनाई।

श्री अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) ने अपने संबोधन में सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे अपना समस्त सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए राजभाषा विभाग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने इस वर्ष हिंदी माह के दौरान आयोजित हुई प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों की प्रतिभागिता में वृद्धि की प्रशंसा की। इस समारोह में कारपोरेट कार्यालय के बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे उप प्रबंधक (राजभाषा), श्री पंकज कुमार शर्मा ने हिंदी माह के दौरान आयोजित किए गए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि हिंदी माह के दौरान टीईएस हाईस्कूल के विद्यार्थियों के लिए हिंदी दिवस विषय पर आयोजित की गई हिंदी निबंध प्रतियोगिता में कुमारी सोनम गौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता में श्री सुरेन्द्र नेगी, सहायक टंकक, हिंदी निबंध प्रतियोगिता में श्री आलोक रतूड़ी, अभियंता, सर्विसेज (विद्युत), नोटिंग ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता में श्री आनंद कुमार अग्रवाल, उप महाप्रबंधक (कारपो. नियो.), अनुवाद प्रतियोगिता में श्री पी.सी.थपलियाल, उप महाप्रबंधक, स्मृति आधारित लेखन प्रतियोगिता में श्री ऋतेश शर्मा, उप प्रबंधक, हिंदी ई-मेल प्रतियोगिता में श्री आनंद कुमार अग्रवाल, उप महाप्रबंधक (कारपो. नियो.), आशुभाषण प्रतियोगिता में श्री अभिषेक तिवारी, जन संपर्क अधिकारी, नराकास हरिद्वार के सदस्य संस्थानों के लिए आयोजित की गई राजभाषा ज्ञान एवं सामान्य हिंदी प्रतियोगिता में टीएचडीसी के श्री नीरज शर्मा, सहायक प्रबंधक (औद्यो. अभि.) प्रथम रहे। इनके साथ ही विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भी कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने विभागाध्यक्षों की श्रेणी में श्री आर.आर.सेमवाल, मुख्य महाप्रबंधक (परि.-विद्युत), सर्वाधिक डिक्टेशन की श्रेणी में श्री अमलेन्दु त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक (भूगर्भ एवं भूतकनीकी), मूल रूप से हिंदी में टिप्पणी लेखन में श्री शिव प्रसाद व्यास, सहायक प्रबंधक (मा.सं.) एवं श्री राजीव सिंह नेगी, प्रबंधक (सर्विसेज) प्रथम रहे। इस अवसर पर अपने-अपने विभागों में सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चत करने वाले 10 हिंदी नोडल अधिकारियों को भी पुरस्कृत किया गया। निगम की राजभाषा पत्रिका ''पहल'' में प्रकाशित 05 सर्वश्रेष्ठ लेखों के लेखकों को भी इस कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया । परिकल्प-विद्युत विभाग को अंतर विभागीय चल राजभाषा ट्राफी प्रदान की गई। कार्यक्रम के समापन पर अपर महाप्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.) श्री एस.बी.प्रसाद ने मुख्य अतिथियों सहित सभी उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

KSTPP Receives 500th Coal Rake, Marks Major Milestone in Its First Year

In a remarkable milestone, THDC India Limited's 1320 MW Khurja Super Thermal Power Project successfully received its 500th coal rake from its captive coal mine at Amelia, Madhya Pradesh, within its maiden year of operation at its railway siding yard at Khurja/UP.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, extended his congratulations on this achievement and remarked that this milestone represents a significant accomplishment in Coal Supply chain management, demonstrating the seamless coordination between Indian Railways and the Khurja Power Plant. Thermal power plants are coal-intensive, and regular rake movement ensures uninterrupted fuel supply, leading to higher Plant Load Factor (PLF) and better generation reliability. This achievement signifies the project's transition from the commissioning phase to stable and sustained operations with robust supporting infrastructure in place.

The event was also graced by the presence of Sh. Kumar Sharad, Executive Director (Project), Khurja STPP, Sh. Binod Kumar Sahoo/GM-O&M, Sh. Rajeev Mohan Dubey/GM-Elect., Sh. Anil Tyagi/AGM, Sh. Rakesh Ratan Pathak/DGM and other senior officials of the Khurja STPP management team.

On the occasion, the newly constructed 20-bedded railway siding guest house was also inaugurated by Sh. Kumar Sharad, Executive Director, KSTPP, dedicated to the service of the railway's loco pilots and crew for a seamless operation of the siding and movement of coal rakes received.

Women's Health & Blood Donation Camps Held at NCR Office

In line with the nationwide campaign "Swasth Nari, Sashakt Parivaar Abhiyaan", a comprehensive health initiative aimed at empowering women and promoting family well-being through preventive healthcare, a Women Health Screening Camp, an Awareness Session on Breast and Cervical Cancer, and a Voluntary Blood Donation Camp were successfully organized on 30th September 2025 & 1st October 2025 respectively. The event focused on early detection, awareness, and the importance of regular health check-ups among women. It also promoted the spirit of voluntary blood donation as a life-saving humanitarian act.

VPHEP Marks Key Milestone with Successful Hydro Static Testing of Unit-1 Spiral Case

444 MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) has achieved another milestone with the successful completion of the Hydro Static Testing (HST) of the Spiral Case of Unit-1 at the VPHEP Power House.

The Hydro Static Test is a crucial stage in the construction of hydroelectric projects, ensuring the structural strength and safety of key components under the designed water pressure. The successful Hydro Static Testing of the Spiral Case of Unit-1 brings the project a step closer to completion, which will contribute to the Clean Energy needs of the Nation. Sh. Vishnoi extended his heartfelt appreciation to the project team, engineers, and the contractors: BHEL and Shivalik, for their relentless efforts and commitment in accomplishing this task.

The occasion was graced by Sh. Ajay Verma, Head of Project (VPHEP), along with Sh. K.P. Singh, General Manager (TBM), Sh. P.S. Rawat, General Manager (Power House/TRT), Sh. Ravindra Singh Rana, AGM (I/c EM/E&C), Sh. B.S. Pundir, AGM (Planning & Safety), Sh. Sanjay Mamgain, AGM (HM/Mechanical), Sh. Manoj Kumar Pandey, AGM (E&C) and other senior officials. Sh. Ajay Verma, Head of Project (VPHEP), congratulated the site team for the successful completion of the Hydro Static Testing of the Spiral Case of Unit-1.

विश्वकर्मा दिवस पर पूजा कार्यक्रम का आयोजन

17 सितंबर, 2025 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, के कारपोरेट कार्यालय ऋषिकेश, टिहरी एवं खुर्जा परियोजना में विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर पूजा-अर्चना का आयोजन विधि विधान के साथ किया गया। टिहरी परियोजना में कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) श्री एल.पी. जोशी एवं अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा कॉर्पोरेशन के उत्थान एवं सुचारू रूप से संचालन हेतु पावर हाउस (ओ.एण्ड एम.), यांत्रिक इकाई कोटी, 33/11 के.बी. विद्युत सब स्टेशन भागीरथीपुरम, आदि स्थलों पर भगवान विश्वकर्मा जी को याद कर पूजा अर्चना की एवं उनकी मूर्ती पर माल्यार्पण किया गया। खुर्जा परियोजना में श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। कारपोरेट कार्यलय, ऋषिकेश में भी विश्वकर्मा दिवस पर पूजा हवन का आयोजन किया गया जिसमे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया |

वीपीएचईपी में सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

सतर्कता जागरूकता अभियान-2025 के अंतर्गत विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के पावर हाउस कार्यस्थल पर श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रमिकों को पम्पलेट वितरित किए गए जिनके माध्यम से लेबर एक्ट, पीएफ/ईएसआई एक्ट आदि के तहत प्रदत्त उनके अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में लगभग 200 श्रमिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके साथ ही 09 सितम्बर 2025 को नियमित अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु निबंध एवं नारा प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का विषय “सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी” निर्धारित किया गया था। इस अवसर पर कुल 23 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों एवं रचनात्मक नारों के माध्यम से सतर्कता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

THDC Signs MoU with NRSC (ISRO) and NTPC for Landslide and GLOF Risk Management

THDC India Limited signed a Memorandum of Understanding with NRSC (ISRO) and NTPC at NRSC’s Hyderabad office to strengthen cooperation on landslide and Glacial Lake Outburst Flood (GLOF) risk management for the Tapovan-Vishnugad and Vishnugad-Pipalkoti Hydroelectric projects.

Sh. R. K. Vishnoi, CMD, THDC India Limited highlighting the significance of this MoU remarked that it reinforces THDCIL commitment to sustainable Hydropower development while addressing the challenges of climate change and natural hazards. This MoU aligns with India’s strategic focus on climate resilience and energy security. It reflects a forward-looking approach that harnesses technology, expertise, and capacity building to strengthen disaster risk reduction and safeguard critical hydropower infrastructure. As part of this collaboration, NRSC will provide satellite-derived databases, high-resolution mapping, and risk assessment for landslides and glacial lakes. The MoU also covers capacity building and customised training programmes to strengthen THDCIL’s in-house expertise for hazard monitoring, prioritisation, and early warning measures. The MoU was signed on behalf of THDCIL by Sh. U.D. Dangwal, GM (D&E–Civil) and Sh. Vibhash Singh Pathania, DGM (D&E–Civil); from NTPC by Sh. Madhukar Aggarwal, GM, and Mrs. Sanjeeta Kumari, DGM (NTPC EOC); from NRSC by Sh. G. Srinivasa Rao, Deputy Director, B. Simhadri Rao, Group Head – Water Resources, and Dr. Ishwar Chandra Das, Group Director, in the presence of Dr. Prakash Chauhan, Director, NRSC (ISRO).

हिन्दी माह का आयोजन

राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना व वीपीएचईपी में 14.09.2025 से 28.09.2025 तक हिंदी माह/पखवाड़ा सम्पन्न हुआ। खुर्जा में पखवाड़ा समापन कार्यक्रम के अवसर पर श्री कुमार शरद, कार्यालय प्रमुख ने खुर्जा कार्यालय में हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा हिंदी काम-काज पर बल दिया। हिंदी पखवाड़ा-2025 के दौरान कार्मिकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गईं। जिनमें निबन्ध, नोटिंग-ड्राफ्टिंग, अनुवाद, वाद-विवाद, काव्य-पाठ, हिंदी प्रश्नोत्तरी एवं सुलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर रहे 38 विजेताओं को कार्यालय प्रमुख ने पुरस्कार प्रदान किए। इसके अतिरिक्त 17 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर महिला क्लब, खुर्जा के द्वारा हिंदी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की गई तथा हिंदी का प्रचार-प्रसार करते हुए हिंदी दिवस मनाया गया। साथ ही वीपीएचईपी में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी दिवस समारोह एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर परियोजना के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं सभी विभागों के राजभाषा नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक बंधन और प्रशासनिक कार्यकुशलता की भी आधारशिला है और हमें हिंदी का अधिकतम प्रयोग कर इसे दैनिक कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाना चाहिए |

कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में रक्तदान शिविर का आयोजन

कारपोरेट कार्यालय में राष्ट्रीय स्वैछिक रक्तदान दिवस व “स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान” के अंतर्गत 30.09.2025 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश के सहयोग से किया गया | उक्त शिविर का उद्घाटन डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा किया गया | इसमें कुल 63 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में सहयोग दिया गया | निगम में कार्यरत कर्मचारियों व उनके आश्रितों के उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कारपोरेट कार्यालय द्वारा समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराए जाते हैं। साथ ही अपने अपने क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न ओपीडी जैसे डेंटल, होम्योपैथिक, आदि शिविरों का भी आयोजन किया जाता है।

Stellar Performance by THDCIL Women’s Team at 30th ICPSU Badminton Tournament

The Women’s Team of THDC India Limited brought glory to the organization by securing the Silver Medal in the Women’s Team Category at the 30th Inter-Central Power Sector Undertakings (ICPSU) Badminton Tournament, held from 8th to 11th September 2025 in New Delhi.

In addition to the team success, THDCIL’s players also delivered stellar individual performances, clinching the Gold Medal in both the Women’s Single and Women’s double categories.

The prestigious tournament was organized under the aegis of the Power Sports Control Board, Ministry of Power, Government of India, and hosted by Grid India. The event witnessed participation from 11 Public Sector Undertakings (PSUs) across the power sector, celebrating the spirit of sportsmanship, teamwork, and healthy competition.

THDCIL Employee Receives Chanakya Jury Special Award 2025 for Promising PR Person at PRCI Conclave

Sh. Avinash Kumar, Assistant Manager (PR), VPHEP, THDC India Limited, received the Chanakya Jury Special Award 2025 in the category “Promising PR Person” from the Public Relations Council of India (PRCI). The award was presented at the 19th Global PR Conclave held in Panaji, Goa on 26–27 September 2025, in the presence of the Hon’ble Chief Minister of Goa, Sh. Pramod Sawant.

Sh. Ajay Verma, Head of Project (VPHEP), and Sh. V.D. Bhatt, Sr. Manager (I/c HR&A), congratulated him on the recognition.

लेडीज़ क्लब

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा पूर्व संरक्षिका हेतु विदाई समारोह का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा एसोसिएशन की पूर्व संरक्षिका श्रीमती मनु शिखा गुप्ता हेतु विदाई समारोह का आयोजन 08.09.2025 को किया गया | विदाई कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत द्वारा की गई। तत्पश्चात मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई द्वारा उन्हें एक पौधा तथा एक स्मृति चिह्न यादगार स्वरूप भेट किया गया एवं अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। तत्पश्चात प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी एसोसिएशन द्वारा हिंदी दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया । सभी सदस्याओं ने हिंदी मुहावरों और तंबोला गेम्स का आनंद उठाया। इसी दौरान विदाई समारोह और हिंदी दिवस समारोह के बाद सितम्बर माह मे जन्मे सभी सदस्यों का जन्मोत्सव भी धूम धाम से मनाया गया।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा कीर्तन का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा नवरात्रि के प्रथम दिवस दिनांक 22.09.2025 को आराधना भवन में भव्य कीर्तन और भजन का आयोजन किया गया। एसोसिएशन की सभी सदस्याओं ने भजन गाते हुए पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय कर दिया।

प्रगतिपुरम सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, ऋषिकेश द्वारा सोलहवाँ वार्षिक प्रगतिपुरम दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन

प्रगतिपुरम सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, ऋषिकेश द्वारा सोलहवां वार्षिक प्रगतिपुरम दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन धूम धाम से किया गया। यह आयोजन श्री गणेशाम्बिका पूजन 22.09.2025 से शुरू होकर 06.09.2025 को लक्ष्मी पूजा एवं पुष्पांजलि के साथ सम्पन्न हुआ। इसमें नवरात्रि, की सभी पूजा, बलिदान, हवन, महाभोग भंडारा, सिंधूर खेला, दशहरा आदि से जुड़ी सभी पूजा विधि विधान से सम्पन्न की गईं। इनमे निगम के सभी अधिकारीयों व कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

दुर्गा पूजा आयोजन की झलकियां

शतहस्त समाहर सहस्रहस्त संकिर।
Earn with hundred hands and donate with thousand.

HRD Corner

Health Talk on – "Back Pain & How to Keep Your Kidney Healthy"

A Health talk session was conducted on 5th September, 2025 at THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for the employees posted at Rishikesh. The objective of the session was to spread awareness about common but often neglected health issues such as Back-Pain problems and Kidney-related disorders. The session was delivered by the expert Medical Specialists from Indraprastha Apollo Hospital, Sarita Vihar - New Delhi.

03-days "Master Trainer Course on Preventive Vigilance"

A 03-day Training Program on "Master Trainer Course on Preventive Vigilance" was conducted from 17th to 19th September, 2025 at THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for Mid & Senior Level Executives. The training was aimed to promote a culture of integrity, transparency, and accountability among employees. The program was delivered by the learned faculties from the field of Vigilance.

नई ऊर्जा नया जोश: टीएचडीसी परिवार में नए सदस्यों का हार्दिक स्वागत है

श्री सूरज अग्रवाल
वरिष्ठ प्रबंधक
ऋषिकेश

श्री ओम प्रकाश
प्रबंधक (ओ&एम)
खुर्जा

श्री शैलेंद्र कुमार नागर
प्रबंधक (ओ&एम)
खुर्जा

श्री बब्लू कुमार सिंह
प्रबंधक (विद्युत)
खुर्जा

श्री ज्ञान प्रकाश वर्मा
प्रबंधक
खुर्जा

श्री सुजीत कुमार नाएक
उप प्रबंधक (ओ&एम)
खुर्जा

श्री आलोक कुमार पटनायक
उप प्रबंधक
खुर्जा

श्री सूरज सुभाष धनभर
सहायक प्रबंधक (माइनिंग)
अमेलिया

श्री श्रेय नेगी
सहायक प्रबंधक (विंड फार्म)
द्वारका

श्री दीपक पंत
सहायक प्रबंधक
एनसीआर

श्री प्रतीक शर्मा
सहायक प्रबंधक
एनसीआर

श्री प्रिंस कुमार
सहायक प्रबंधक (माइनिंग)
अमेलिया

सुश्री पूजा शर्मा
अधिकारी (मा.सं.)
ऋषिकेश

सुश्री तान्या प्रसाद
अधिकारी (मा.सं.)
टिहरी

सुश्री अनामिका आनंद
अधिकारी (मा.सं.)
ऋषिकेश

श्री सुशील कुमार
अधिकारी (मा.सं.)
अरुणाचल प्रदेश

सुश्री सृष्टि मिश्रा
अधिकारी (मा.सं.)
ऋषिकेश

श्रीमती अदिति इंदौरिया
अधिकारी (मा.सं.)
टिहरी

सुश्री झरणा दलाई
अधिकारी (मा.सं.)
ऋषिकेश

श्री प्रदीप कुमार
कनिष्ठ ओवरमैन ग्रेड-2
अमेलिया

श्री देवराज पटेल
कनिष्ठ ओवरमैन ग्रेड-2
अमेलिया

"Empowering Women, Illuminating Futures: VPHEP's Social initiatives are brightening Tomorrow"

Sh. Kunwar Pal Singh
GM (S&E)
VPHEP

Ms. Abhijita Sahu
Field Officer (Social)
VPHEP

The Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (4 x 111 MW) of THDC India Limited, located on the Alaknanda River in Chamoli, Uttarakhand, impacts 7 villages directly and 27 partially. The project focuses on improving living standards and livelihood opportunities for affected families. THDCIL continuously strives to create better opportunities for project-affected communities, reinforcing its commitment to sustainable development and social responsibility.

In line with the approved R&R Policy of VPHEP, which emphasizes that Women's participation is crucial in sustainable development, requiring their integration and involvement in all project stages, from planning to implementation and post-commissioning of the project phases, the project has launched multiple schemes for women empowerment and upliftment such as; Widow Pension Scheme, Livelihood and Skill Development and Direct and Indirect Employment

1.Widow Pension Scheme

The Widow Pension Scheme is a welfare initiative by THDC India Limited under the Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP). The scheme provides Rs. 1,500/- per month to widows residing in project-affected areas, offering them financial support to manage daily needs and lead a life of dignity. The primary goal of the scheme is to Empower widowed women, Promote financial independence, Build confidence and Counselling them in advocating for their rights. This financial assistance enables beneficiaries to meet essential needs without being financially dependent on others.

Success Stories:

Smt. Munni Devi’s who hails from village Haat life took a challenging turn after the passing of her husband. She was left alone in a small village, and was dependent on her children for daily expenses, which affected her self-esteem. With THDC’s Social Department’s intervention under the Widow Pension Scheme, she began receiving a monthly pension, which brought a significant change to her life. “I can now buy groceries and manage my household without asking anyone for help,” and “This support restored my dignity,” said Munni Devi.

Another housewife Smt. Pushpa Devi from village Haat was struggling with medical expenses, and found new hope through the pension scheme. “I feel like a weight has been lifted off my shoulders,” she said with relief.

“Now, I can afford my monthly treatment and don’t need to rely on anyone.”

With her health improving, Pushpa Devi is regaining control over her life. The scheme has given her not just financial assistance, but also peace of mind and emotional strength.

2.Livelihood & Skill Development

As part of its CSR efforts, THDCILhas implemented a range of Livelihood and Skill Development programs aimed at uplifting communities, particularly women and marginalized groups in project-affected areas. These programs are designed to equip individuals with practical skills and knowledge to boost income and promote financial independence, enhance employment opportunities and career growth, build self-confidence, leadership, and awareness, and encourage active community participation and social cohesion.

Success Stories

Smt. Anita Devi’s life changed significantly when THDCIL supported her with a poly-house, enabling her to grow a variety of vegetables year-round. This not only improved her family's nutrition but also provided an additional source of income through local market sales. “Thanks to THDC's support, I can now grow my own vegetables in a polyhouse and sell some at the local market. It has improved both our nutrition and income,” said Anita Devi with a smile.

Similarly, always passionate about knitting, Smt. Sadhna Devi found new purpose and opportunity when THDC launched a knitting program in her village. With training and encouragement, she transformed her passion into a small business. Her initiative didn’t stop with personal growth, she began training other women, creating local employment and fostering a spirit of solidarity. Through her efforts, Sadhna has sparked a ripple effect, empowering a group of local women and strengthening the community fabric.

3. Employment Opportunities

THDC India Limited is committed to promoting inclusive growth by creating meaningful employment opportunities for women, both directly and indirectly, across its projects and operations. THDCIL aims to empower women to build sustainable careers and actively contribute to organizational and community development. The key initiatives are Inclusive Recruitment Drives, which focus on attracting talent from diverse backgrounds, especially women from project-affected and rural areas; Supportive Work Environment, in which THDC fosters a workplace culture that values equality, safety, and professional growth and Indirect Employment Creation under which by supporting contractors, skill development programs, and local enterprises, THDCIL enables women to access indirect job opportunities.

Success Stories:

Smt. Saraswati, an indirect employee associated with VPHEP, became the primary breadwinner of her family. Her job provided the financial stability needed to support her children's education and meet household needs, a role she carries out with pride and resilience.

"Thank you, THDC India Limited, for giving me the chance to work here. This opportunity has been a blessing, enabling me to provide my children with basic education and support my family." – Saraswati

Smt. Puspa Devi, an employee of VPHEP, has shown extraordinary strength and resilience in the face of life's challenges. Living with physical disabilities, she encountered numerous obstacles, yet remained determined to lead an independent and purposeful life. Recognizing her potential, VPHEP provided the support and opportunity she needed. "Working at THDC's VPHEP has given me a platform to prove my abilities. Despite my physical challenges, I feel respected, included, and empowered to contribute meaningfully,"added Puspa Devi.

Conclusion

THDC India Limited stands as a model for inclusive and gender-responsive employment. By empowering women and individuals with disabilities, THDCIL builds a more equitable workforce, fosters innovation, and contributes to sustainable development. Through its ongoing efforts, THDCIL continues to demonstrate that "Diversity is not a challenge, but a strength"

वीपीएचईपी की यूनिट-01 में गैण्ट्री क्रेन के माध्यम से ड्राफ्ट ट्यूब की ओवरट कंक्रीट लाइनिंग का कार्य प्रारम्भ

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) ने 444 मेगावाट विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) में एक महत्वपूर्ण निर्माण उपलब्धि हासिल की है। परियोजना के पावर हाउस क्षेत्र में यूनिट-01 की ड्राफ्ट ट्यूब की ओवरट कंक्रीट लाइनिंग का कार्य प्रारम्भ हो गया। यह कार्य कैवर्न के भीतर स्थापित उच्च क्षमता वाले गैण्ट्री क्रेन की मदद से किया जा रहा है। इससे पूर्व ड्राफ्ट ट्यूब के स्टील लाइनर्स की एरेक्शन और उसके चारों ओर कंक्रीटिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका था। अब परियोजना ड्राफ्ट ट्यूब की शेष 100 मीटर लंबाई की ओवरट कंक्रीट लाइनिंग के चरण में प्रवेश कर चुकी है, जो 05 सितंबर, 2025 से शुरू हुआ।

कंक्रीटिंग का यह चरण ड्राफ्ट ट्यूब की संरचनात्मक स्थिरता, जलरोधक क्षमता और दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। ड्राफ्ट ट्यूब टरबाइन रनर से निकलने वाले जल को सुव्यवस्थित ढंग से टेलरेस तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस कार्य की पूर्णता के बाद हाइड्रो-मैकेनिकल कार्यों और यूनिट-01 में टरबाइन घटकों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए श्री अजय वर्मा, परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी) ने परियोजना टीम, ठेकेदारों और सभी हितधारकों के अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ओवरट कंक्रीट लाइनिंग की शुरुआत परियोजना निष्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टिहरी परियोजना में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

30.08.2025 को टिहरी परियोजना में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया | राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ अपर महाप्रबंधक (विद्युत) श्री डी.सी. भट्ट एवं उप महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.) श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल द्वारा उपस्थित सभी कार्मिकों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शपथ दिलाते हुए किया गया | इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री एच.पी.भट्ट, प्रबंधक (मा.सं.एव. प्रशा.) श्री दीपक उनियाल, श्री ओ.पी. पंत, श्री सुरेश, श्री रंजीत, श्री रामपाल पडियार सहित बड़ी संख्या में कार्मिक उपस्थित थे |

Beyond the Desk

Hydrology to Capacity Assessment: Analytical Principles for Hydropower Project Capacity Determination

Sh. Ashutosh Vasant Sanap,
Asst. Manager (Planning),
VPHEP

Introduction: Hydropower is a robust technology for large-scale renewable electricity generation. The generating capacity of a hydroelectric project is primarily determined by hydrological conditions and topographical characteristics. Accurate quantification of this capacity requires the application of a fundamental hydrodynamic power equation, derived rigorously from the first principles of mechanics and fluid dynamics. The following section presents a systematic derivation of the installed capacity equation, beginning with the gravitational potential energy of water and incorporating practical corrections for head losses and system efficiency observed under real-world project conditions.

Fundamental Principle for Deriving Hydraulic Power Potential: The foundation of hydropower generation lies in the gravitational potential energy of water stored at an elevation. From basic mechanics, the work done (W) to lift a mass (m) through a vertical height (H) against gravity is given by $W=F*d$, where 'F' is the applied force and 'd' is the displacement. Substituting the gravitational force $F=m*g$ and displacement $d=H$, the work done becomes $W=m*g*H$, which is stored as gravitational potential energy, where 'g' is the acceleration due to gravity (9.81 m/s^2).

Since hydropower plants deal with continuous water flow rather than a single mass, the rate of energy conversion or power, must be expressed in terms of flow. If 'Q' is the volumetric flow rate in cubic metres per second (m^3/s) and 'ρ' is the density of water (approximately 1000 kg/m^3), then the mass flow rate ($\dot{m}$) is $\dot{m}=\rho*Q$

Substituting this into the energy equation, the theoretical power available from falling water becomes, $P_{theoretical}=\dot{m}*g*H = \rho*g*Q*H$ where this represents the maximum power obtainable without considering any losses.

However, in practical systems, two important corrections are required.

1.Net head must be used instead of the gross head to account for hydraulic and frictional losses in tunnels, penstocks, and other water conductor systems. Thus, $H_{net} = H_{gross} - H_{losses}$

2.Conversion of hydraulic energy into electrical energy is never perfectly efficient. The overall efficiency (η), which is the product of turbine, generator, and transformer efficiencies, typically ranges between 85% to 95%.

Incorporating these corrections, the actual power output delivered to the grid is expressed as, $P_{actual}=\rho*g*Q*H_{net}*\eta$, where Discharge (Q) is established from long-term hydrological data, flow duration curves, and on-site measurements using current meters, weirs, or flumes, while the intake and conveyance systems are sized to pass the design flow. Net head (H_{net}) is calculated as the gross head i.e. the elevation difference between reservoir full supply and tailwater levels minus frictional and local losses in tunnels, penstocks, and valves, verified through hydraulic analysis and field measurements. Overall efficiency (η) accounts for turbine, generator, transformer, and auxiliary losses and is determined from manufacturer performance curves, rated flow tests, and commissioning measurements.

Conclusion: The generating capacity of a hydroelectric project is governed primarily by three interdependent parameters i.e. flow rate, effective net head, and overall efficiency. which together define its power potential and the foundation for civil structure design, turbine selection, plant layout, and long-term generation planning. By accurately evaluating discharge from hydrological records, calculating net head through assessments, and validating system efficiency, engineers ensure that the project achieves both technical reliability and economic viability and sustainable utilization of water resources, reinforcing hydropower as a vital source of clean energy.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Anirudh Bishnoi
CGM (PSP–Solar)
NCR Office
DOR: 30.09.2025

Sh. Anirudh Bishnoi, CGM (PSP–Solar) superannuated from the Corporation on 30.09.2025 after an illustrious service of over 35 years in THDCIL. A Civil Engineer from MNREC and M.E. (Structures) from IIT Roorkee, he joined THDCIL in 1990 and played a pivotal role in the construction of the Tehri Dam, achieving landmark milestones such as the highest-ever fill placement of 54,000 cum in a single day and project completion within 5% cost variation, a benchmark in Indian civil engineering. He contributed significantly to the Tehri PSP by conceiving and executing key approach adits and enabling works and later led complex civil operations at VPHEP, including successful TBM retrieval and structural restoration. As CGM (PSP–Solar), he steered DPR preparation and planning for 13,420 MW of Pumped Storage Projects across multiple states and spearheaded solar initiatives like RTPS Solar (53.9 MW). His contributions to THDCIL will always be remembered.

Sh. Dinesh Shukla,
GM (AP Projects)
Namsai, AP
DOR: 30-09-2025

Sh. Dinesh Shukla, GM (AP Projects) at Namsai, AP superannuated from Corporation on 30.09.2025. He joined THDCIL as an Engineer (Trainee) in 1990 after earning his B.E (Civil) from Govt. Engineering College, Rewa (MP) (APS University, Rewa). He also earned Diploma in Management from IGNOU. During his career spanning over 35 Years and 09 Months at THDCIL, Sh. Shukla worked in various departments, including Design Civil Department, Power House Construction & Maintenance, Dam Construction & Maintenance, Planning & Monitoring, PSP (Maharashtra), UJVNL (On Deputation as GM for 03 Years 06 Months) & Reservoir Rim Stability Works related to collateral damages. He also held key roles in Tehri HPP commissioning and served as GM (APP) at Namsai, AP, spearheading the 1200 MW Kalai-II HEP works. His contributions to THDCIL will always be remembered.

Sh. M. K. Rai,
GM (Procurement)
Rishikesh
DOR: 30-09-2025

Sh. M.K. Rai, GM (Procurement) superannuated from THDCIL on 30.09.2025. A Civil Engineer, he joined the organization in March 1990 as Assistant Engineer and served with distinction for over 35 years across diverse domains including Rehabilitation, Roads & Buildings, Civil & Hydro-Mechanical Design, Tehri PSP, and Procurement. He played a pivotal role in finalizing the designs and drawings of HM equipment and Penstock liners for Koteshwar HEP and Tehri PSP, and in overseeing their successful supply and erection. As Head of Contracts & Materials Management and later GM (Procurement), he spearheaded key digital and policy reforms onboarding THDCIL on TReDS, achieving 100% procurement through GeM, and integrating FMS with GeM, ensuring transparency, efficiency, and timely execution. A dedicated professional with deep technical insight and administrative acumen, his contribution to THDCIL's growth and system strengthening will always be remembered with appreciation.

श्री सुभाष चन्द्र पाण्डे
वरिष्ठ प्रबंधक (एस एंड आई)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-09-2025

श्री अमर नाथ
सहायक प्रबंधक
लखनऊ
सेवानिवृत्ति: 30-09-2025

श्री संपूर्णानंद सकलानी
उप अधिकारी (तकनीकी-पीएसपी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-09-2025

श्री विजेंद्र प्रसाद
उप अधिकारी (स्टोर)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-09-2025

श्री गोविन्द सिंह तोपवाल
उप अधिकारी (कार्य-मा.सं. व प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-09-2025

श्री केशवानंद भट्ट
उप-अभियंता (तकनीकी-पीएसपी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-09-2025

श्री सुंदर लाल
कनिष्ठ कार्यपालक-(डी. सिविल-सी.एंड आर.आर.एस.डब्ल्यू)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-09-2025

शतहस्त समाहर सहस्रहस्त संकिर।
Earn with hundred hands and donate with thousand.

डॉक्टर की सलाह

डॉ. विभा चौधरी
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
निरामय स्वास्थ्य केंद्र, ऋषिकेश

श्री मधुर चौधरी
सीनियर फ़िज़ियोथेरेपिस्ट
निरामय स्वास्थ्य केंद्र, ऋषिकेश

फ्रोजन शोल्डर के कारण, लक्षण एवं उपाय

कंधे की अकड़न या फ्रोजन शोल्डर , एक ऐसी स्थिति है जिससे कंधे में दर्द और कंधे की अकड़न हो .जाती है और अंततः ऊपरी बांह और कंधे को हिलाना मुश्किल हो जाता है। फ्रोज़न शोल्डर के लक्षण धीरे-धीरे शुरू होते हैं और समय के साथ बिगड़ते जाते हैं।

फ्रोजन शोल्डर क्यों होता है?

- कंधे के लंबे समय तक उपयोग न करना, जैसे कि सर्जरी या एक हाथ के फ्रैक्चर के बाद की वजह से कंधों में अकड़न हो सकती है।
- डायबिटीज की समस्या है तो फ्रोजन शोल्डर की समस्या हो सकती है।
- दिल से जुड़ी बीमारी, थायराइड और पार्किंसंस में फ्रोजन शोल्डर की समस्या हो सकती है।
- कंधे में किसी तरह का झटका आना और बाहों की हड्डी टूट जाने की वजह से ये समस्या हो सकती है।

फ्रोजन शोल्डर कैसे बढ़ता है?

कंधे की अकड़न आमतौर पर धीरे-धीरे और तीन चरणों में विकसित होते हैं। इन चरणों में से प्रत्येक कई महीनों तक रह सकता है।

दर्दनाक चरण /Painful Stage: इस चरण के दौरान, आपके कंधे की किसी भी गतिविधि में दर्द होता है, और आपके कंधे को चलाने की क्षमता सीमित होने लगती है। यह चरण 3 से 6 महीने तक रहता है।

फ्रोज़न चरण / Frozen Stage: इस अवस्था के दौरान दर्द कम होना शुरू हो सकता है। हालाँकि, आपका कंधा अकड़ जाता है, और आपकी कंधे को चलाने की क्षमता भी काफी कम हो जाती है। यह चरण 4 से 12 महीने तक रहता है।

विगलन चरण / Thawing stage: विगलन अवस्था के दौरान, आपके कंधे को चलाने की क्षमता में सुधार शुरू होता है। इसमें 9 से 18 महीने तक का समय लग सकता है।

कंधे की अकड़न के लक्षण :-

- कंधे में दर्द और अकड़न (Pain or stiffness in shoulder)
- रात में दर्द महसूस होना और बार-बार नींद खुलना
- हाथों को कंधों या पीठ की तरफ मोड़ते समय बहुत अधिक दर्द महसूस करना ,कंधे की अकड़न आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को करने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है और कभी-कभी, आप अपने कंधे को हिलाने में बिल्कुल भी सक्षम नहीं होंगे।

कैसे करें उपाय:-

सूजन रोधी दर्द निवारक दवाइयां सूजन को कम करती हैं । ये फ्रोजन शोल्डर के पहले चरण में बहुत उपयोगी हैं। कभी-कभी थोड़े समय के लिए मौखिक स्टेरॉयड भी निर्धारित किए जाते हैं।

विभिन्न फिजियोथेरेपी तकनीकों जैसे इलेक्ट्रोथेरेपी, मैनुअल थेरेपी ,कैप्सुलर स्ट्रेच, मजबूत बनाने वाले व्यायाम और घरेलू रीहैब में दर्द को कम करने, मांसपेशियों को मजबूत बनाने, और मूवमेंट सुधारने में मदद करती है।

- एक्यूपंक्चर
- हीट और कोल्ड थेरेपी
- योग
- शोल्डर मैनिपुलेशन, स्टेरॉयड इंजेक्शन या आर्थोस्कोपिक कैप्सूलर रिलीज सर्जरी ।

सूचना: दर्द को नजरअंदाज न करें। यह लगातार हो तो डॉक्टर को दिखाएं। कई बार फ्रोजन शोल्डर और अन्य दर्द के लक्षण समान दिखते हैं। इसलिए एक्सपर्ट जांच आवश्यक है, जिससे सही कारण पता चल सके।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)